૩૯૫૬

૪

ગુલશને બાહારે અફજુ

ઉર્દૂ

ઉર્ફે દરીઆઈ  ઈન્દરસભા

સાત તસવીરેં.

તાલીફ કીયા

સેનમીયાં મુતખલ્લુસ બ"ઝરીફ

શેર { નાઝક હમ ઐસે ઝરીફ તરાશે નયે નયે;
કીસ્સે કદીમ હુવે તે તમાશે નયે નયે. }

ધી સિટી પ્રેસ- કાંદાવાડી - મુમ્બાઈ.
ઈ. સ. ૧૮૮૭.
કીમ્મત દો આને.

ખાસ ખબર.

યે કીસ્સા સને ૧૮૬૭ કે પચીસમે કાયદે મુવાફીક દાખીલ રજીસ્ટર હુવા હૈ. ઔર તમામ હુક્ક મુંદના જમનાદાસ ભગવાન કી કુંપનીને અપને કબજેમેં રખ્ખે હૈ, લીયે કીસીને છાપના નહીં.

REGISTERED UNDER ACT XXV OF 186

ईश्क दुररे बेबहा.

उर्दू

नई दरीआई ईन्दरसभा.

बाब पहेला - परदा पहेला.

दरीया.



(दीखलाई देना हबशी हबशनका नाचते हुवे, बाना शाहजादा-गुलफामका ईरशाद करना हबशीकु वास्ते सेजके.)

पीलु - लावणी.

गुलफाम - (यह - लंगडी रंगत.)

सुन अय हबशी बात हमारी बरलबे दरीया पलंग बीछा,

लालो जवाहेर-गोहर याकुत जडे होवे जेबहा,
अम्बरनगरका शाहाजादा हुं जहेरे तफीअत लहेराई,
जहेरे तल्खुम-समन्दर मोती सदफमें भरलाई;
मेहेर यांखुरशीद जमीं हुये वस्लकी मेरे तमन्नाई,
हुजाज खासां-हजारों वाहें यस्मे तमाशाई,
"अजीज" के अफजालसे हासील सयेरे समन्दरकी हुयेईजा,
लालो जवाहेर-गोहर याकुत जडे होवे जेबहा.

(दस्तबस्ता हो अर्ज करना हबशीका शाहजादेसे
शाहाजादा ईनआम देके रवाना करना.)

भैरवी-गजल.

बुलबुले शायेदाने बोला - तर्ज.

गुलफाम-

ईश्कको पयदा कीया जस रोजसे परवरदीगार;
माहव हुये सारी खुदाई ईश्कमे लयेलुन नहार-ईश्कको.
खाकसे क्या क्या कीया हुये ईश्कसे रंगी नीयां;
गुन्या गुल भरगो समर नखलो चमन बादे बहार-ईश्कको.
ईश्कसे खाली न देखा, कोई शाये हम अये "अजीज";
जहेरोजर भरको समां कीदहो हुयेवां सुरगो मार-ईश्कको.

(आराम फरमाना शाहाजादाका छपरघट पर, परीका झाड
फटकर नीकलना और अपनी तारीफकी गजल गाना.)

(पानां सातवां देखो.)

ઈશ્ક ફુરરે બેબહા અને ગુલશને બાહાર અફઝા (ઉર્ફે નઈ ઈન્દર સભા) આ બન્ને ખેલો એકજ છે, માત્ર "સીનરી" માંજ ફેરફાર છે, પેહેલામાં દરીયાના દેખાવો દેખાડવામાં આ-વેછે તથા બીજામાં જમીન ઉપરના દેખાવો દેખાડવામાં આવેછે, માત્ર જે ગાયનો દરીઆઈ ઈન્દરસભામાં ઉ-સ્તાદ "ફરીદે" હબશી હબશનના વધારેલા છે, તે હમોએ આ ચોપડીમાં દાખલ કરેલા છે, અને ત્યારપછી પાનાસા-તમાંથી બધાં ગાયનો "ફરીદની" તાલીફ કીધેલી બન્ન-શાવાલી તથા દરેક જાતની રાગ રાગણી સાથની નવી ઈન્દરસભામાંના છે.

गुलशने बहार अफ़्ज़ा.

उर्फ़

नई इन्दरसभा.

तफ़्सीले नाटक.

गुलफ़ाम .... पीसरे गुलन्नरशाह.

इन्दर .... शाहेनशाहे परस्तान.

सब्ज़परी .... परीयोंकी अफ़्सर व माशूके गुल्फ़ाम.

पुखराज परी ... }
नीलमपरी ... } सभाए इन्दरकी रक़्क़ासें व मुगन्नीए.
लालपरी ... }

लालदेव ... }
कालादेव ... } फ़रमांबरदारे शाह इन्दर.

चोबदार - खवास - दरबारी - रइय्यत - वग़ैरा.

मुक़ाम.

अख़्तरनगर.

संगलद्वीप.

परस्तान.

भाग पहेला - परदा पहेला.

बगीचा.



(दीखलाई देना बागबांका फुल चुन्ते हुवे, और ताना शाहजादे गुलफामका ईरशाद करना बागबांकु वासते सेजके.)

पीलु - लावनी.

राह - लंगडी रंगत.

गुलफाम-

ऐ आयेश हये अब दील को हमारे आज ऐ ये माली फुलोंकी,
रंगीन पलंगपर - बीछा दे नर्म नेवाली फुलोंकी,
आप मेरा गुलजार शाहा और कहेतेहये गुलफाम मुझे,
नजारमें गुलसीवाये नहीं कहीं आराम मुझे,

बहार गुलसे गईरते गुलशन बना हये मेरा बाम मुनेह,
फझले खुदासे-मअस्सर हये युं सुब्हो शाम मुनेह,
सरपे तुररा मोतीका हये हातमे डाली फुलोंकी-रंग पलंग.
दीन हये गोया ईद मुनेह और रात जो हये शब बरात हुये,
सागरो मीना-मोहीया चमनमे साकीकी सात हये
हरअेक शीरीं दहनके गोया तलम आतकी नबात हये
हीरा चमनमें-रहाउसि गुलका हातोंमे हात हये,
"अरीझ" रंगी बयां नीकाली तर्ज नीराली फुलोंकी-रंग.
(दस्तबस्ता हो अर्झ करना बागबांका शाहझादेसे,
शाहझादाईनआम देके रवाना करना.)

बेहाग-गझल.

गयेरत न आई तुझको कुछ यार-तर्ज.

गुलफाम-सद शुक्र आज दीलपे नेहायत सुरुर हये;
कोठा हये रश्क खुल्द तजल्लीये तुर हये-सद.
पुर नुर दो जहां कीया अल्लाहने ये क्या;
हर झररा बीच देखो उसीका जहुर हये-सद.
वोह बादशाह झमीपे कीया बादशाह मुनेह;
अखलाक सुरत अम कीये परीयां हुझुर हये-सद.
बागे ईरमसे लाख महलसी ये कम नही;
वो जन्नते कसके तंहीं लसा अफसो शउर हये-सद.
आंखे खुमार नींदसे हये मस्त आये "अरीझ";

डोलेपे ज्नके अप मुज्हे सोना ज़र्द हये — सद.

(आराम इन्दरमाना शाहज़ादेका छपर घटपर आना
परीका तख्तपर जयेठकर सयर करते हुवे
बागमे और अपनी तारीफ़की गज़ल गाना)

अजब सनमकी अदाये देखी हुवा हये — तर्ज़.

स.-खुदाकी कुदरतन क्युं अयां हो हये सब्ज़ ज़ेरअ्बदन गुलाबी,
नीसार क्युं कर न होवे मुजपर जहांके सारे चमन गुलाबी;
परी हुं मंअे सब्ज़ नाम मेरा ज्ने लेवे सोसन अगर चमनमें
अजब नही हये के गुलसा होवे शगुफ़्ता गुन्चे दहन गुलाबी;
हये रंग इश्से गुलोंकु रंगत हये सब्ज़ ज़ेरेसे जर्ग ताज़े,
गलेमे गर हार पेहनो गुलका बने गुले नस्तरन गुलाबी;
हये गुलसे इश्मे ये क़ुदरत जो जरे तो अर्क़ीन गुलाब टपके,
के मीस्से गुन्चा हो नाज़ुकीसे सेनी के लेमी शक्के जुतन गुलाबी;
ये वस्फ़ गुलरे "ज़रीफ़के" तमाशकु गुलीस्तां बना दीया हये,
उसे मजमुकु पेहनाया "ज़रीफ़" ये पेहरन गुलाबी.

(सब्ज़परीकी नज़र पडना शाहज़ादेपर.)

भयेरवी — ठुमरी.

छोरी आमनकी — तर्ज़.

सब्ज़परी- इश्क़ इनसांसे आग बदनमे हमारे लगी;
भंवरे अजब दीलपे चली हुर परीली कीनारे लगी-इ.
"ज़रीफ़" हये ये कभी शगुफ़्ता पसंद क्या ये तुमारे लगी-इ.

(शाहजादेके नजदीक जाके.)

कलापीलु-गजल.

दुरोंके होश उडते हये— तर्ज.

सब्जपरी-सोता हये नींदमे ये अजब नउजवानी हये,
देखी जहांमे कोई नहीं इसका सानी हये;
हसरत हये दिलमे जती हु लेकीन "करीब" मन,
दीलदारकु मंमे देकें ये छल्ला नशानी हये.

(छल्ला पीनाहके, उसके फीराकमे गाना.)

जुल्फपुरपेचमे दील अयेसा गीरफतार— तर्ज.

सब्जपरी-क्या करुं कोईभी तदबीर न बन आती हये,
गर मंमे हुशीआर करुं नींद तेरी जती हये;
रुख हये गुल गुंचा दहन कद हये सरोनरगीसचश्म,
जुल्फ सुम्बुल हये मगर मारसे बल जाती हये;
ले चलुं जोसेभी जलाअेभी तसद्दुक हो कर,
पर मुजेह शर्म हया रोकके समजती हये;
बस्सके वास्ते तदबीर येही खुब हये,
देखु तकदीरने फीर क्या मुजेह दीखलाती हये;
लेजाकर देव सीया घरमे मंगा लुं इसको,
दीले दीवानेकु इस तरा हये लहेराली हये;
छल्ला देजती हुं मंमे इसकु नशानी अये "करीब",
दील हये बेचअेन मगर जनली गभराती हये.

(लना सब्ज परीका शाहाजादे कु छल्ला पहेनाके व हाथोंकु बोसा देकर.)

बाब पहेला - परदा दुसरा.

बंगला.

(वास्ते सयेर के आना राजा ईन्दरका और अदा करना हम्दे खुदा.)

पहाडी झींझोटी - जंजरा.

हुई सुब्हो नीकल गया तारा — तर्ज.

ईन्दर- शीरकतसे बारे तआलेसा, तु पाक हये बल्लो बलाला;
कये तराहकी पयेदा आलमको, ईन्न देव मलक जनी आदमको
क्या कुस्न परीका दुबाला - तु पाक.
तु कीया जमीको गुलशन, तारोंसे फलकंकु रोशनको;
दीया शम्सो कमरकु उजाला - तु पाक.
कर खाकसे गुलकु पयेदा, बुलबुलकु कीया शीरशयेदाको;
कुमरीकु तोक हये दाला — तु पाक.
और काफमे मुजकु बुदाया, परीयोंका शाहा बनायाको;
आरामो चयेनसे पाला - तु पाक.
हंअे कनीज कौमे परीयां, जीन देव हंअे जेरे फरमांको.
कीया मरतबा मेरा आला — तु पाक.
तेरी नेहा नही कुदरत हये, हर शयसे अयां सनअत हयेको;
पथ्थरसे आग नीकाला - तु पाक.
क्या मोर व कुशो परीन्दे, सज तेरे हये पालेहु बन्देको;
कुल जहांका पालने वाला - तु पाक.

शाहोंपर लावे तबाही, जब्बो हुये गदाकु शाहीन्त;
आतशकु यमन कर दाला-तु पाक.
दी "फरीदकु" गोयाई ताके सखुन आराईन्त;
डीया तओर "फरीद" नीराला-तु पाक
(जाअफ़ तारीफ़ करना खुदकी.)

पीलु-अबीयात.

राजा हुं मंये कोमका और ईन्दर मेरा नाम,
बीन परीओंके दीदके नही मुजेह आराम;
सुनोरे मेरे देवरे दीलको नही करार,
(हाजर होना लालदेव और कालेदेवका ईजर राजाके मोअदबजकेरेहना.)
जलदी मेरे वास्ते सभा करो तैयार;
तख्त बीछावो जगमगा जलदीसे ईस्थान,
मुजकु शाजलर जबेठना महफ़ीलके दरम्यान.

बाब पहेला-परदा तीसरा.

दरबार.



(दीखलाई देना दरबारीयोंका मअ देवो ओजदारोंका ईन्दरकी आमद गाते हुवे.)

झींझोटी-गजल.

इश्के तन्हा मुजेह अये दोस्तो-तर्ज.

सभामें दोस्तो ईन्दरकी आमद आमद हये;
परी जमालोंके अफसरकी आमद आमद हये-सभामें.
खुशीसे रहे रहे नाजीम हये सुरते बुलबुल;
अब ईस चमनमे गुलेतरकी आमद आमद हये-सभामें.
फरोगे हुस्नसे आंखोंको अब करो रोशन;
कमीपे महेरे मुनव्वरकी आमद आमद हये-सभामें.

(आना ईन्दरका लीबासे जरीन पहेने हुवे और बयेठना तख्तपर, सर झुकाना दरबारीयोंका बराये तसलीम बाअद ईन्दरका गाना.)

मेरा संगल दीपमें मुलकों मुलकों राज,
जो मेरा हये चाहता के जलसा देखें आज;
लावो परीयोंको मेरी जलदी अकर हां,
जारी जारी आनकर मुजरा करे यहां.

(आमद गाना पुखराज परीकी)

काफी-गजल.

महफीले राजमें पुखराजपरी आती हये,
सारे माअशुकोंकी सरताज परी आती हये;
जिस्का साया न कभी ख्वाबमें देखा होगा,
आदमीजादमें वोह आज परी आती हये.

दौलते हुस्नसे हो जयगा आलम मामुर;
करने ईस जलसमे अज रान परी आती हये;
रंग हो कई हसीनोका न कयुं कर उस्ताद,
गुल हये महेफीलमे के पुखराजपरी आती हये.

(आना पुखराजपरीका सलामे गाते हुवे और तस्लीम करना ईन्दरको.)

कलापीलु-गजल.

पुखराजपरी-गाती हुं मंये और नाचसदा काम हये मेरा;
आफाकमे पुखराजपरी नाम हवे मेरा-गाती.
कुंदेसे मेरे कोई नीकलने नही पाता;
ईस गुलशने आलममे जीछा दाम हये मेरा-गाती.
मंये लाखकी हो लाखकी परवा नही रखती;
काशंका जन्नना अन ईनआम हये मेरा-गाती.
कहेते हये जहांमे जसे ईनसां गुलो बुलबुल;
वो शेख हये बोगेसुबे सीयाह फाम हये मेरा-गा०
जद मस्त मुबेह देखके होती हये जुदाई;
माअमुर मंये हुस्नसे क्या जम हये मेरा-गाती.
उस्तादकु देती हुं दुवायें दीलो जांसे;
ये काम जहांमे सहरो शाम हये मेरा-गाती.

(तआरीफ करना ईन्दरने पुखराज परीकी और दरख्वास्त करना नीलमपरीकी.)

परज कालींगडा-ठुमरी.

ईन्दर-खुश रीझाया नाचके गाके, पहेलुमे मेरे बेठ तु आके-खु.
खुश हुई तुजसे महफील सारी, अब हयेनीलमपरीकीबारी.

(आमद गाना नीलम परीकी.)

झला-गजल.

सभामे आमद हे नीलम परी हज्जे;
सरासर वोह नजाकतसे भरी हज्जे;
सीतारोंकी झपक जती हज्जे आंखे,
वोह उसके नरमें मलबुसे भरी हये;
गजब गाना हये और उसका चमकना,
कभी चेहरा कभी वोह मुख्तरी हये;
न देखा होगा नाच अयेसा कीसीने,
बला हये सेहर हये जादुगरी हये;
जमीपर वोह परी, आती हये उस्ताद,
जवाहिरसे जो रंगतमें भरी हये.

(आनानीलमपरीका सभामें गाते हुवे और तस्लीम करना ईन्दरको.)

झला पीलु-गजल.

नीलमपरी-हुरोंके होश उडती हये उडनेकी शानपर;
नीलमपरीहयेनाम मेरा आसमानपर-हुरोंके.
अल्लाहके करमसे जमानेमे हये उरूज,
झुकता हये सर फलकका मेरे आस्तानपर-हुरोंके.

नई ईन्दर सभा.

ईनसांकी क्या हये अस्लके पुतला हये खाकका;
जुन खेल खते हये मेरी खिलकतमें खनपर-हुरोंके.
नीलमको सुमयाटके आंखोंपे रखते हये;
शोहरा हये मेरा जौहरीयोंकी दुकानपर-हुरोंके.
ऊडते नही हये मेरी नजाकतपे कीसके होश;
रखते हये फुल हाथ गुलीस्तांमे कानपर-हुरोंके.
उस्ताहने जमीपर जुलाके दिया हये नाम;
क्युं कर रहे न मेरा दमाग आसमानपर-हुरोंके.

(तआरीफ करना ईन्दरने नीलमपरीकी और हुक्मवास्ते करना लालपरीकी.)

कला-ठुमरी.

ईन्दर-दीआ युकी तुकरत जसारे, पहेलुमे जब खजेठ हमारे-दी.
कीया सभामे तुने नाम, अज हये लालपरीका काम-दीआ.

(आमद गाना लाल परीकी.)

देश-गजल.

सभामे लालपरीकी सवारी आती हये,
जमाने रंग अज ईन्दरकी पीयारी आती हये;
शफकमे आअेगा जुरमट नजर सीतारोंका,
पहेनके सुर्ख वोह पोशाक भरी आती हये:
हसीन जखम की शाहीसे जील पडेंगे तमाम,
गुलोंके वास्ते जाहे जफारी आती हये;
दुपट्टा देखके जीजली गीरेगी जीजलीपर,

कीनारो पर बोट लगाकर कीनारी आती हये;
मंओ किस जुबांसे कहुं उसकी खूबीयां उस्ताद;
जहारे ताजाकी महेफीलमे जारी आती हये.

(आना लालपरीका सभामें गाते हुवे औरतस्लीम करना ईन्दरकु.)

कला-गजल.

लालपरी-ईनसांफ काम हुस्नपे मेरे तमाम हये;
जेडा हुओ सुर्ख लालपरी मेरा नाम हये-ईनसांफ.
याकुत नर जरीद हुओ सरकारका मेरे;
नोकर अकीक लाल बदक्शां गुलाम हुओ-ईनसांफ.
आशकुकु कत्ल करती हुं अबरुकी तेगसे;
दीन रात मुजको खुन बहानेसे काम हुओ-ईनसांफ.
पोशाक मेरी सुर्ख हुओ मुबंडा हुओ ब्यांदसा;
देखो शफकमे रातको माहे तमाम हये-ईनसांफ.
सोबीपे मेरे होते हुओ मुरगे चमन हलाल;
हर गुलको कस्त जागे बहांमे हराम हुओ-ईनसांफ.
उस्ताद अन्जमनमे रहे सुर्ख २ मुदाम;
अल्लाहसे दुवांओ मेरी सुब्हो शाम हये-ईनसांफ.

(तारीफ करना ईन्दरने लालपरीकी और दरख्वास्त करना सब्जपरीकी.)

पीलु-ठुमरी.

ईन्दर-कारी रात भबेहमे सारी, अओ मेरे पेहलुमे प्यारी-का.
बहोत लडाई तुने बन, अब हुओ सब्जपरीका ध्यान-का.

बेहाग - गजल.

आती नये अंदाजसे, अब सब्ज परी हये,
लब सुर्ख हये पर सब्ज हये पोशाक हरी हये;
हीरोंका उसे देखके जी भरता हये हीरा,
चेहरेमें जमुरदसे सीवा सब्जगरी हये;
जिन उस्से भी असलतके सबज उड नही सकतें,
परीयोंको सदा शर्मसे बेबालो परी हये;
अबरकी हये क्या शान चेहरेसे बदन पर,
येक शाख हये नाजुक के शगुफोंसे भरी हये;
उस्ताद अजब आशको माअशुकके हये नाम,
शेहजादा वोह गुलफाम हये येह सब्ज परी हये.

जिला - गजल.

सब्जपरी-माअमुर हुं शोखीसे शरारतसे भरी हुं;
धानी मेरी पोशाक हये मंये सब्जपरी हुं-माअमुर.
क्या अस्ल हये सब्जेकी मेरी हुस्नके आगे;
हीरोंकसे खुशरंग जमर्रदसे खरी हुं-माअमुर.
लेलेती हुं दील आंख करीश्मोंसे मीलाकर;
इनसां हये बला क्या में नहीं जिनसे डरी हुं-माअमुर.
शोअला हये तबीअत हये गजब हये मेरा गुस्सा;
जलजले परीजादमें गर्म करी हुं- माअमुर.
जिन्दा न रखेगा मुझे सुन लेगा जो राजा;

शोहजादाओ गुलफामकी सुरतपे मरी हुं - मायमुर.
वो शमअ मंओ परवाना हु वो सर्व मंओ कुमरी;
वो गुल हये जहांमें मंओ नसीमे सहरी हुं - मायमुर.
उस्तादके दमसे चमने हुस्न हये आबाद,
मंओ वास्ते ताउसके दागे जगरी हु - मायमुर.

(आराम करना ईन्दरका और देखना सब्ज परीने नजदीक जाके
जाकर कहेना ईस तरहसे.)

गझल - पीलु.

राजा तो सोगये दीआ न कुछ ईनआम;
जाती हु मंओ बागमे यहां मेरा क्या काम.
(जाना सब्ज परीने काला देवको बोलाकर.)

बाब पहेला - परदा चोथा.

रास्ता.

(आना सब्जपरीका कालेदेवको लीओ हुवे.)

गझल - पीलु.

सब्जपरी - सुनरे काले देवरे तु मेरी ओक बात;
आतीथी राजाके घर मंओ आजकी रात.
शाहजादा ओक बामपर सोताथा नादान;
जोबन उसका देखकर नीकली मेरी जान.
उतरी अपने तख्तसे तीर कलेजे खाओ;

सोताथा वो जेजजर हाथ पाओं ईन्जलाओ.
सुरत उस्की देजकर दीलसे गया करार,
मुंहपर मुंह मंओने रखा कीया जुजसा प्यार.
दील मेरा लगता नही महफीलके दरम्यान;
कालेज मेरा हुओ यहां वहां हुओ मेरी जान.
उसकु गार तु लावे उठाकर जलदी यार;
लौंडी मंओ हो जाउंगी तेरी जे तकरार.
(पता पुछना कालेदेवने सब्ज परीसे.)

मजहुर– तर्ज.

काला देव–घरमें राजाके हुओ तु सज परीयोंकी सरदार;
तुजसे कर सकता नही हरगेज मंओ ईनकार;
तेरी खातेर हुओ मुजेह सजसे यहां सीवा;
पता जता माजशुकका लावुं अभी उठा.
(पता जताना सब्ज परीने देवको.)

मजहुर– तर्ज.

सब्ज परी–जा तु संगलदीपसे अजतरनगरमें हां;
सोता हुओ ओक माहेरु लाल महेलपर वहां.
छल्ला मंजे दे आई हुं अपना उसे नीशान;
सब्जनगुंकी आजसे तु उसकु पओछान.
(जाना कालेदेवका शाहजादेको लानेके वास्ते ओर सब्ज परीका जाना जागमे.)

आज पहेला-परदा पांचवा·

जगीया·



(लेआना कालेदेवका शाहज़ादेकु पलंगपर सोतेहुवे और कहेना सब्जपरीसे·)

अमांय·

कालेदेव-लाया शाहज़ादेको मेंने जो हींदुस्तान;

तु अपने मासुकको सब्जपरी पेहेचान.

(जाना कालेदेवका और कहेना सब्जपरीका खुश होकर·)

मनहुर- तर्ज·

सब्जपरी-येही शाहज़ादा मेरा येही हुजे मेरी जान.

ये मेरा दीलदार हूवे मंजे ईसपर कुरबान.

(शाहजादेका शांना पकडकर हीलाना.)

सोते हो क्या बेखबर छोडके तुम घरबार,
आंखें खोलो लाडले नीन्दसे हो हुशीयार.

(सुफेदपरी सबजपरीका शाहजादेको जगाकर और उठना शाहजादेका घबराकर उहैना आलमे हयरतमें पलंगपर बेठे हुवे.)

मलहार-तर्ज.

गुलफाम-कोन मेरा क्या हुवा छुटा कीधर मकां,
सोताथा मंजे कीस जगे आया हाये कहां.
ना वो मेरे लोग हैं ना वो मेरी जा,
ख्याब मंजे हुं देखता के जग रहा हुं यां.

(उतरना शाहजादेका पलंगसे और कहैना आलमे ईजतेरारमें.)

भयेरवी-गजल.

गुलफाम-घरसे यहां कौन खुदाके लीये लाया मुजको,
कीस सीतमगारने सोतेसे जगाया मुजको.
हुकने क्या ख्याबे परेशांन दीखाया मुजको,
नजर आता नहीं अपना न पराया मुजको.
नीन्दसे आंख कीसीकी न खुली कोठे पर,
उठके मुजको न कुंगलसे छुडाया मुजको.
हजेरु सद हजेर कीसीने न खबर ली मेरी,
क्या अजीजोने मेरे दीलसे भुलाया मुजको.

ता दमे मर्ग कब उम्मीद रेहाईकी नहीं;
कीस बलामें मेरे अल्लाह फसाया मुजको.
मुश्कलेसीकी कोई तदबीर बतादो उस्ताद;
हुये बहोत गरदीशो कीस्मतने सताया मुजको.
(मुतहैयुर होना शाहजादेका.)

बाब पहेला-परदा छठ्ठा.

महेल.



(शाहजादेका चौतरफ देखकर कहेना.)

बेहाग-ठुमरी.

गुलफाम-मुजे कौन घरसे लाया यहां;
बतावो ये कीसका हयेगा मकां-मुजे.

सब छोडे कोई संग न साथी;
अकेली को अपने मैं पाउं कहां - मुझे
दील का कीसको हाल सुनाउं;
सरपर मेरे बाप न मां - मुझे.
घर आने की आस नही हये;
पडी कीस मुसीबत मे मेरी जां - मुझे.
फंस गये हम. जालीम के फंदे;
कोई उस्ताद से छुडीयो रे हां - मुझे.

(आना सब्जपरी का नाच करते हुवे गुलफाम के तरफ और ताअज्जुब करना गुलफाम का उसे देखकर.)

कला - पीलु.

सब्जपरी - देखो तुम मेरी तरफ घरका मत लो नाम;
छोडो मुजको आनकर करो यहां आराम.
जो होना था सो हुवा अनेदो अब अबेर;
चलो फीरो जाव पीवो करो बागकी सयेर.
बतलावो अब हसबो नसब और तुम अपना नाम;
रहते हो कीस काममे हयेगा कहां मुकाम.
गुलफाम - खीलवतमे मैं रहता हुं अयेश हय्ये मेरा काम
शाहजादा हुं हींदका नाम मेरा गुलफाम.
तु औरत कीस कामकी अपना नाम बता;
दोनो शानोपर तेरे नीकला हये ये क्या.

सब्जपरी—डोमकी हुंगी मंय्ये परी समज नतु हये वान;
ये दोनो पर हये मेरे जये मुरज नादान.
रहेती हुं मंय्ये ड्राझमे सब्जपरी हये नाम;
राजा इन्दरके वहां नाच मेरा हये काम.
गुलफाम—जलदी ये जतला मुजे दीलको हये वसवास;
मेरा आना कीस तरेह हुवा हये तेरे पास.
सब्जपरी—तुजपर मंय्ये आशक हुई चलते चलते राह;
उठा मंगाया यहां तुजे लेजके देव सीआह.
(घभराना गुलफामका देवका नाम सुनकर ओर मनाना सब्जपरी-का उसको.)

भैरवी—मसनवी.

सब्जपरी—सरपे आंखोपे कलेजेपे बीठावुं तुजको;
आ मेरे पास गलेसे मंय्ये लगावुं तुजको.
दिलोजांसे मुजे हलाती हये अदायें तेरी;
पास ला चांदसा मुंह लुं मंय्ये बलायें तेरी.
लेट पेहलुमें मेरे घरकु मंय्ये आबाद करूं;
तुजको लीपटाके गले वस्लसे दीलशाद करूं.
गुलफाम—वस्लकी तेरी कसम घरमे हये आना मुजको;
न मजरदार चली हाथ लगाना मुजको.
मुजको नादान समज दुर हो दाना हुं मंय्ये;
डोमकी तुजे परी हये तो सेयाना हुं मंय्ये.

जेस्वा तुजसी जमानेमे नहोगी जफाकार;
आप बदनाम हुई मुजसे छुडाया घरबार.
लेकर देव मुजे खींच बुलाया तुने;
आदमीजादकु कैदमे फसाया तुने.
सब्जपरी- जीदगीका हम्मे मजा आयेसी मुलाकातोंमें;
चोंचले मुजसे बघारो न जरा बातोमे.
शुक्र अल्लाहका फेर जडगई कीस्मत तेरी;
यकबयक मुजसी परीको हुई उलफत तेरी.
तुजको दीवाने नही शर्म जराआती हम्मे;
ख्वाबमेभी कही ईनसांके परी आती हम्मे.
देख पछताओगा मेरा भी बुरा दील होगा;
वस्ल तुजकु न परीका कभी हासील होगा.
गुल्फाम- घरके छुटनेका हम्मे गम आंहो झांगा करताहुं;
वस्लका वायेदा ईस शर्तसे हां करता हुं.
सुनी ईन्दरकी सभा मंअने कहांनीमे हम्मे;
उसका अरमान मुजे जेसो जवांनीमे हम्मे.
ओर जलसोकातो हां दीदमेभी चरचा हम्मे;
नाच परीयोंका कभी मंअने नही देखा हम्मे.
साथ अपने मुजे लेआनके वो जलसा दीखला;
राज ईन्दरके अखाडेका तमाशा दीखला.
सयेर मंअे तेरे सबब यांकी भी येक बार करूं;

भूलेसे फिर न कभी वस्लका इनकार करूं.
उम्रभर पाससे तेरे न कभी जाउं मंये;
जो कहे तु उसे आंखोंसे बजा लाउं मंये.
सब्ज़ परी- अयेसी बातोंका ज़बांपर नहीं लाना अच्छा;
जान आफ़तमे नहीं मुफ़्त फंसाना अच्छा.
रहता इन्दरके अखाड़ेपे अबस जान हये तु;
सख्त बेअक्ल हये दीवाना हये नादान हये तु.
अयेसी जो सखरको इनसान नहीं चलते हंये;
वहां मेरी जान परीज़ादकेपर जलते हंये.
आफ़त आ जायेगी तुजपर अरे ओ आनके जीय;
आदमीज़ादका क्या काम परस्तानके जीय.
कोई राजाकु खबर जाके लगा देवेगा;
फूंक देगा वो मुझे तुजकु जला देवेगा.
न जलाअेगा तो आफ़तमे फंसाअेगा तुजे;
क़ैद करके वो कुवे ख़ुब झुकाअेगा तुजे.
गुलफ़ाम- मंये न मानुंगा न मानुंगा कभी बात तेरी;
काम किस रोजकु आवेगी मुलाक़ात तेरी.
बात जो असल थी मंये अक़लसे पयेछान गया;
बाअेस इनकारका जानी मेरा दील जान गया.
तु कीसी देवकी खीजमतमें वहां जाती हये;
इस लीये मुजको सभामें नहीं ले जाती हये.

सब्जपरी- बात हरगेज ये जबांसे न नीकालो साहेब;
होशमें आवो जरा मुंहकु संभालो साहेब.
देवसे मुजकु जुदा काम जो करना होता;
आदमीजादपे किस वास्ते मरना होता.
मंझे परी होके और अयेसेपे फेदा जान करुं;
अेडी खोटीपे मुबे देवकु कुरबान करुं.

गुलफाम- दील हरअेक शख्सका फंदेमे फसाती हये तु;
अज्ने परी क्युं मुजे जातों मे उडाती हये तु.
मुजको होतीं हये मेरी जान कोई आनके जीय;
लअेरवी चलके सुना मुजकु परस्तानके जीय.
वहां न लेजायगी तो जुसे गुजर जावुंगा;
आप मंझे अपना गला काटके मर जावुंगा.

(गुलफामका जंजर नीकालकर खुदका गला काटने चाहना, छीन लेना सब्जपरीने उसके हाथसे जंजरकु और फेंक देना जमीनपर)

सब्जपरी- मुहबतकी यार जराज अपनी जवांनी तुने;
हाय अफसोस मेरी बात न मानी तुने.
अब मीलेगा न अजीजोंसे न मांबापसे तु;
शेरके मुंहमें मेरी जान चला आपसे तु.
थक गये होट कहांतक अरे समजावुं मंझे;
चल अफाडा तुजे इन्दरका दीखलावुं मंझे.

(जाना गुलफामो सब्जपरीका हाथ पकडे हुवे थोडी दुर तक)

गज़ल-पीलु.

गुलफ़ाम- किस तरह चलनेपे तैयार मेरी जान हुं मैंभे;
तु परीज़ाद हुजे चालाक और ईनसान हुं मैंभे.
उडके तु जायेगी अेक पलमें परस्तानके बीच;
हाथ मुऔलाके में रहे जाउंगा अरमानके बीच.
कोई उड चलनेकी तदबीर बतादे मुजको;
पर किसी देवके तु नौज्यके लादे मुजको.

सब्ज़परी- जहेदी बाते न करो होशमे आवो जानी;
न परीज़ाद हुं जे परके उडावो जानी.

(ताली बजाना सब्ज़परीका और नमुद होना हवाई तख्तका.)

थामलो पाया मेरे तख्तका अब हाथसे तुम;
छुट जाना न कहीं राहमे परसाथसे तुम.
मुजसे वां चलके कोई बात न कहेना साहेब;
पीछे पीछे मेरे तुम नाचमे रहेना साहेब.
गाके और नाचके जुत सजके बनाडुंगी मैंभे;
तुजको लेजाके दरख्तोंमे छुपाडुंगी मैंभे.
किसी आफतमे अेकाअेक अगर आना जानी;
याद रखना के मुजेह भुल न जाना जानी.

(बजोईना सब्ज़परीउपर तख्तके पत्थेर पकडकर गुलफ़ामका लटक

जाना तख्तकाउपर.)

आब दुसरा-परदा पहेला.

दरबार.



(नजर आना ईन्दरका तख्तपर बेठे हुवे मअे दरबारीओंके आना सब्जपरीका गुलफामको लीअे हुवे और पेशीका करना अेक बाजुपर.)

छंद.

सब्जपरी-सभामें बुलवा कर मुझे आप कीया आराम;
आई हुं मंअे फीर यहां करना अपना काम.
करने अपना काम यहां फीर हुं मंअे आई;

ઠુમરી છંદ ગજલકી ઝુમે ધુન હએ સમાઈ.
સમા બંધેગા આજ જે મંએ જો ખોલકે ગાઈ;
કહેંગે સબ ઉસ્તાદને ક્યા ક્યા ચીજ બનાઈ.

પરજ-ઠુમરી.

મોરી અંખીયાં ફરકન લાગી;
કહાં ગયો યાર કીધર ગઈ સખીયાં-અંખીયાં.
નએનનમેં દીલદાર બસત હએ;
યે અંખીયાં આલમાસ પરખીયાં- અંખીયાં.
દેહ દુકત હએ જીયા તડપત હએ;
પ્રીત લગાકે મન્નહ હમ ચખીયાં-અંખીયાં.
બલબલ જાઊં મંએ ઉસ્તાદ કે
જીય સલાકે મોરી પત રખીયાં-અંખીયાં.

(આના લાલદેવકા શોઅલે કે સામને ઈન્દરકે શીકાયત કરના ગુલફામકે આનેકી.)

મસનવી.

લાલદેવ- મહારાજકો હક રખે શાદ કામ,
નઈ આજ હએ અર્જ કરતા ગુલામ.
મંએ આતાથા ઈસ દમ ચમનકી હવા;
હકીકત જો દેખી કે હોશ ઉડ ગયા.
શજર હએ પુરાના જો શમશાદકા;
ગુઝર હએ વહાં આદમીઝાદકા.

नही उरती अस्ला मेरी अक्ल काम;
वो ईनसान हुओ था के माहे तमाम.
उसे कोन लाया यहां अपने साथ;
ईसी फीक्रमे कजसे मलता हु हाथ.

(मुजातीज होना ईन्दरका तरफ दरबारीयोंके सब्जपरीका
कहेना लालदेवसे आलमे यासमें)

अहन्स - मसनवी.

सब्जपरी - नकर लालदेव ईसतरहके कलाम;
अरे बे मुरव्वत कजा अपनी थाम.
खुदाके गजबसे जरा दिलमें कांप;
युगलखोरके मुंहकु डसते हुओ सांप.
परीकी तरफ देख आहमक न बन;
बुराईसे बाज आ ज कोले हसन.
कीसीकी बदी तु न कर अयेज हुओ;
के उसका बुरा आले मुल गयेज हुओ.
दीले आशक ईस बातसे हील गया
तुझे हाये कमबख्त क्या मील गया.

(पुछना ईन्दरका गजबमें आके लालदेवसे.)

मरहुर - तर्ज.

ईन्दर - अरे देव तु हुओ जे क्या बक रहा:
मेरे बागमे काम ईनसांका क्या.

हुवा किस तरेह यां बशरका गुजर;
परीन्दोंके दहशतसे जलते हुवे पर.
कदम रख सके जीनकी कया मजाल हुवे;
फरीशतोंकी यहां अकल हैरान हुवे.
कीसी देवसे आशनाई न हो;
परी कोई साथ उसको लाई न हो.
उसे खींच ला पास मेरे शीताब;
के गुस्सेसे हुवे हाल मेरा खराब.
(जाना लालदेवका नजदीक गुलफामके और पुछना गुस्सेसे
उसको जाना गुलफामका उसे देखकर)

मसनवी.

लालदेव-बशर हुवेके जीन हुवे के साया हये तु;
परस्तानमें कयुंकर आया हये तु.
उठा आज कर तरह मुजसे बयां;
जीवाया तुजेह कीसने लाकर यहां.
चमनका कोई गुलके जुदा हुवे तु;
सीतारा बता जनके टुटा हुवे तु.
परीपर ये शायेद तेरा दील हुवा;
अखाडेमें ईन्दरका दाखील हुवा.
मेरे साथ चल तरह अये बेशऊर;
बुलाया हुवे राजने अपने हुजुर.

(लाना गुलफामको लालदेवका लीयते हुवे देखकर इन्दरके और अर्ज करना.)

मसनवी.

लालदेव- हुजुरीमे हाजर हुवे ए रोजअफजु;
महाराज साहेब नीगाह करम.
बजा आपका हुक्म लाया गुलाम;
चमनमे पोहोंचकर कीया अपना काम.
शजरके तलेसे उठाया इसे;
सभाकी तरफ खींच लाया इसे.
करा मैंने न कुछ इसकी फरयादसे;
उठा लाया कुमरीकु शमशादसे.
सीतम कीजीये ये सजावार हुवे;
खडा दस्त बस्ता गुनाहगार हुवे.

(पुछना इन्दरका गुलफामको गुस्सेसे सबब आनेका.)

आहन्स- मसनवी.

इन्दर- अरे कौन हुवे तु तेरा क्या हुवे नाम;
सभा तुने की मेरी बरहम तमाम.
तुझे लाया यहां कौन अये बदखीसाल;
जयां मुझसे कर न सके ये चारे हाल.
कीया कस्द तुने परस्तानका;
न अफसोस आया अपनी तुझे जानका.

मेरी सारी महफ़ीलकी थी आजई;
यहां घुरने आया परयोंको तु.
बता हाल आनेका अये दई नाक;
जलाकर अभी वर न करदुंगा खाक.
(अर्ज करना गुलफ़ामका हाथ जोड कर.)

पीलु-मसनवी.

गुलफ़ाम-कहुं क्या फलकका सताया हुं मंये;
यहां खेल कर जुपे आया हुं मंये.
परी सब्ज़ हये जे अखाडेमे यां;
उसीका हुं दीवाना मंये नीमजां.
सभाकी सदा धुम सुनताथा मंये;
ईसी फीक्रमें सरकु धुन्ताथा मंये.
जो आने लगी आजकी शब जे यां;
लटककर हुवा तख्तपें मंये रवां.
बलामें हुवा यां गीरफ़तार हुं;
जे याहो सब्ज़ दो गुनाहगार हुं.
(देखना ईन्दरका सब्ज़परीकी तरफ़ नीगाहे गज़बसे.)

अहन्स-मसनवी

ईन्दर-अरी ओ परी सब्ज़ ओ बे हया;
मेरे सामने नज़्द आ बेसवा.
खुदी हये तेरी ब्रत बुनयाद पर;

के आशक हुई आदमी ज़ादपर.
बनाया अरी तुने ईनसांकु यार;
बड़ौले हुसन सुन तु अये नाबकार.
तेरा रंग गयेरतसे उडता नही;
तुझे क्या परीनहद ब्रुडता नही.
सभामे लगा लाई ईनसांकु साथ;
तेरा अब गीरेबां हुओ और मेरा हाथ.
(मारने चाहना ईन्दर सब्जपरीकु छुडाना सभोने आजेजी करके.)

परज-ठुमरी.

सब-राजजी न करो जुल्म ये;
खता हुई बेशक बडी ये-राजजी.
मोहबतके मारे हुवा कुसुर;
खता बख्शो मेहेर करो महाराज-रा.
(अर्ज करना सब्जपरीका ईन्दरसे सर झुकाकर और नादीम करना गुल्फामको गले लीपटाकर.)

जला-मसनवी.

सब्जपरी-नहुंआ ओ सींतमकी सलवार हुं मंओ;
हकीकतमे तेरी गुनाहगार हुं मंओ.
अरे क्युं मंओ यां तुजसे कहतीथी क्या;
न माना मेरा हाओ तुने कहा.
जलाभे पड आप भी बेजता;

मुझे भी अखाडेमें रुसवा कीया.
कहां रहे के अब देखुं राज तुझे;
खुदाकुं मेरी जान सोंपा तुझे.
जो जीते हुंए तो फीरभी मीलजाअेंगे,
नही तो कीयेकी सजा पाअेंगे.

(लालदेवका दोनोंकु जुदा करना और गुलफामका आह भर कहेना.)

जन्जरा.

गुलफाम-

मुझे हुई इश्क परीने मारा, हये लाद चला जन्जरा;
हये इश्कसे सब कुच पयेदा, बुलबुल हये गुलपरशयेदाजी;
माअशुक जुदा दीलपारा- हये.
कोइ हुस्नका हये बेपारी, बेयेह हये बदील दीदारीजी;
बाजारे महोबत कारा- हये.
हये हीरा कन्कर मोती, तकदीर हुअे मेरी सोतीजी;
अब छुटा अयेश हमारा- हये.
हये कहां करींकु जमशीद, नौशीरवां खुसरु जावीदजी;
कहां तख्त सीकंदर दारा- हये.
कोई इश्कको देखो परको, या सच्चा जुठा हये बोलोजी;
हये मतलब दीलका न्यारा- हये.
आशक ये पडा आफतमे, माअशुक रही हैरतमेजी;
कहा "करीफ़" दील अफगारा- हये.

(पुखराज परीका आना और गुलफामको समझाना.)

झंझरा.

पुखराज परी-

इस इश्कको हम पहेचाने, सुन कहेती हुं दीवाने;
ये इश्क कहीं पर गुल हये, ये इश्क कहीं बुलबुल हये जी;
कहीं बाग इश्कको जाने — सुन.
येह इश्कके खातेर हयें, दीवाने क्या क्या बनाअे जी;
कोई मस्जीद कोई बुतखाने — सुन.
हये इश्कसे सारी खुदाई, हर शयमें हमें नजर आई जी;
सब इश्कके हये अफसाने — सुन.
गरज इश्कके जरीअे हये आफत, आशकोंपे लाता कीयामत जी;
वोह शमअ हये हम परवाने — सुन.

(नीलम परीका आना और गुलफामको समझाना.)

झंझरा.

नीलम परी-

ये इश्कका हयें कारखाना, आबाद करे वेराना;
ना हींदु मुसलमां काफर, हये इश्कका मजहब नादर जी;
क्या काबा हरम बुतखाना — आबाद.
ये इश्क गला कटवाअे, ये इश्क हये सुली चडाअे जी;
मनसुर हो या मस्ताना — आबाद.
हर शयमें इश्क भरा हये, सब इश्कसे पयेदा हुवा हये जी;

हुवा शमाअ ओ क्या परवाना - आबाद.
जो ईश्ककी दरीया पाया, वहां अकलको अपने बहायाजी;
दुर दाना हुवा मरजाना - आबाद.
हये "फरीदुश" ये कहेना, जे आशक हये ओ मनाजी;
दाना हो रहे दीवाना - आबाद.

(गुलफामका गीला करना अपनी कीस्मतका.)

भैरवी - गजल.

गुलफाम- तु नकर अपने लीये तदबीर अपने हाथसे;
काम करती हये तेरा तकदीर अपने हाथसे - तु नकर.
गमसे कर राम राम और शेखसाहेबकु सलाम;
हकने खींची हये हरअेक तसवीर अपने हाथसे - तु न.
कल्ब अपना साफ करले सुनां कपा हये येही;
रेंकदे पारसके तंई अकसीर अपने हाथसे - तु नकर.
कब्रपर मजनुके जबे लयेली गरदामन कशां;
लाश नीकलेगी कफनकु चीर अपने हाथसे - तु नकर.
दामने आलुदा हये जामुश होतो क्या अजब;
पाक करदे हजरते शाब्बीर अपने हाथसे - तु न कर.
सब्जपरी- हये येही उमीद बस मुजको खुदाकी जातसे;
ओ बचानेवाला हये हरअेक बला आफातसे - हये.
जे के पशेमानी पे हये ओ पेश आता हये "फरीद";
ईश्ककी मुश्कील होहल मुशकील कुशाके हातसे - हये.

(गुलफ़ामका सब्जपरीको समझाना.)

बन्जारा.

गुलफ़ाम - उल्फ़तमे तेरे माहपारा, बनगया हुं बंजारा;
दरीआओमे ईश्कमे बहता, डाला हुं कदम जीस्मीस्तान;
कजदेखे हुये मीलता कीनारा - बन.
फ़रहादके सरकु फ़ोडा, मजनुंकु न जीता छोडाजी;
युसुफ़कु कुवेमे उतारा — बन.
नल दमनका हाल क्यां हुये, और राझा हीर कहां हुयेजी;
मोहना बटाउकु मारा - बन.
मनसुरकु मारही डाला, और शम्सकी खाल नीकालाजी;
हो "ऊरीफ़सा" आवारा - बन.
(कहेना ईन्दरका लालदेवसे गुलफ़ामकी गीरफ़्तारीके लीये.)

ब्रहन्स-मसनवी.

ईन्दर - अरे देव कर कस्द बेदादका,
पकड हाथ ईस आदमी बदजादका.
कुवा जो बने हमे काफ़में पुरखतर,
अभी जाके उसमें ईसे कयेद कर.
परी सब्ज हमने जो ये आगे खडी,
खता की हमने ईस बेसवाने बडी.
सो तु नोचकर ईसके पर और बाल,
अखाडेसे मेरे अभी दे नीकाल.

उडाती फीरे खाक येह कुचकुं,

ना आये हमारे कभी रुबरु.

(बक्षीस चाहना ईन्दरसे गुलफामो सब्जपरीका सब दरबारीओने)

झींझोटी- गजल.

अंदर जमीके ईश्क हये ईश्क आसमानमे - तर्ज.

सब्जपरी- लो आखरी ये सब्जपरीका सलाम हये;

राजके देव परीयोंको मुजरा सलाम हये- लो.

ईन्दर- चल तु नीकल यहांसे अलेकुम सलाम हये;

शरमींदा तुजसे मेरी येह महफील तमाम हये- लो.

पुखराज परी- तकसीर अदब ईश्कका नादर मकाम हये;

मंजे नओश खुदीका ये लबरेज जाम हये- लो.

नीलम परी- महाराज ईश्क अकलमे जगा मुदाम हये;

हम आजजोपे गुस्सेका करना हराम हये- लो.

लालपरी- कुदरत खुदाकी देखो मचाईल महाम हये;

ईनसान देव जनो परी लाकलाम हये- लो.

कालादेव- करना खता मआफ रहे नेकनाम हये;

ये अर्ज करता आपका काला गुलाम हये- लो.

लालदेव- ताकीर देना जे करे खराब काम हये;

जरबुल मसल ये कहेना मेरा खासो आम हये- लो.

ईन्दर- पर छीन लेके छोडदे ये जद खीराम हये;

ना काम ये "जरीद" रहे सुबहो शाम हये- लो.

(लेना सब्जपरीका गुलफामकु साथ लीये, और लालदेवका उसको लेआना, और गुलफामका गाना सब्जपरीकी जुदाईमें.)

गझल-गजल.

ईस आतशे उल्फतने क्या आग लगादी— तर्ज.

गुल्फाम—जबसे दीखा गई इसे रोशनकी ओ झलक;
नरगीसकी तरहा अपनी खुली रहे गई पलक—ज.
पहुंचाया मेरे हालको हये हये यहां तलक;
ये कीसका बदला तुने लीया आज अये फलक—ज.
अफसोस हाय तुने कीया मुजपे क्या सीतम;
अये यर्ख अब जुदा हुवी मुजसे मेरी सनम—जबसे.

(हुकम देना ईन्दरका लालदेवको गुलफामको कयेद करनेके लीये.)

परज-ठुमरी.

तोहे हालु अलजमे शामो सहर— तर्ज.

ईन्दर—गया हुकम मेरा अये देव बीसर;
जा डाल कुवेमे देर न कर— गया.
आग लगादे सोला भडका दे;
मुख्तार हये तु जो चाहे सो कर—गया.
जल्द यहांसे ईसको तु लेजा;
ताके "फरीदकु" ना हो खबर— गया.

(गुलफामका आहो जारीसे सबको सलाम करना.)

ભૈરવી-મુસ્તઝાદ.

ક્યા ઝુલ્મ પડા હાયરે હમ દોનોકે ઉપર- તર્જ.

ગુલફામ-ભતાહું કયે દખાનેમે દરબારકુ સલામ;
જીનકુ પરીકુ દેવકુ સરદારકુ સલામ;
ચાહત પરીકી મુજકુ ઝુકાઈ હયે ચાહમે;
યુસુફકુ ઔર મીસરકુ બાઝારકુ સલામ;
બાગે ઈરમસે ભતાહું મુરબાર દસ્તમે;
ગુલકુ કલીકુ નરગીસે બીમારકુ સલામ;
મઝહબ હયે ઈશ્કકા મેરી મીલ્લત બુતુસે હયે;
દઈરો હરમકુ કાફરો દીદારકુ સલામ;
ઝીન્દાંમે લાલદેવ મુજેહ લેચલા "ઝરીર";
ઈન્દરકુ બઝમકો મેરે દીલદારકો સલામ.

(લેજાના લાલદેવકા ગુલફામકુ ખીંચતે હુવે)

બાગ દુસરા--પરદા દુસરા.

રાસ્તા.

(આના સબ્ઝપરીકા ઔર ગુલફામકી જુદાઈમે ગાના.)

ભૈરવી-ગઝલ.

મરતીહું તેરે હીજ્રમેં અયે યાર ખબર લે- તર્જ.

સબ્ઝપરી-મરતીહું જુદાઈસે અયે ગુલફામ ખબરલે.
બેચએન હું અયે રાહતો આરામ ખબરલે-મ.

जो होटोंपे आई हये नीकल जायेगी दममें;
आ मुजको नदेखेगा सरे शाम फजर ले-म.
उम्मीदे मुलाकातमे बाकी हये मेरा दम;
मर जाउंगी पयताएगा नाकाम फजर ले-म.
ईनसांमे वफाई नही मशहुरे जहां हये;
पर तुजपे नही हये मेरा ईल्जाम फजर ले-म.
जोगन हो भटकती हुं "फरीद" दीले नालां;
दरपये हये मेरे गरदीशे अयाम फजर ले-म.
(आना कयेक परीयोंका और कहेना सब्जपरीका.)

जंजरा.

सब्जपरी-

अये परीओ बतावो खुदारा, हये कहां गया जन्जरा;
मंये ढुंडने उस्कु जोगन, बनके फीरती हुं बन बनका;
कोयलसा करती पुकारा — हये.
जंगल जंगल मंये भटकुं, या पाहाडपर सर पटकुंका;
साहरामे फीरी आवारा — हये.
कभी मोमसा मंये गलती हुं, कभी शमआसी जलती हुंका;
कभी चशम जनी फव्वारा — हये.
गुलफामकी देखो जुदाई, जोगन हये परी कुजनाईका
हये ईश्के "फरीद" नआरा — हये.
(याकुत परीका उस्को समजाना.)

बंन्नरा.

याकुतपरी-

अये बेगम मत हो अवारा, मैं ढुंड लेरा बंन्नरा;
मदरासस्से ता हिंदुस्तां या रूमो शाम बदख्शांजी;
या अजममे बल्ख बुखारा— मैं ढुंड.
या चीनो चगल ईरांमे, बगदाद मीसर तुरांमेजी;
या चमनमे होगा बीचारा— मैं ढुंड.
शीराज ओर काबलमे, या मुल्के अरब काबलमेजी;
आंखोंका मेरे तारा— मैं ढुंड.
कलकत्ता लखनो कशमीर, या देहल्ली पीशावर अजमेरजी;
पंजाब वो मुलतां सारा— मैं ढुंड.
नेपाल जबलपुर लाहोर, भोपाल मथुरा ईंदोरजी;
या सुरत दख्खन सारा— मैं ढुंड.
या सीन्ते बनारस मवे, या दवारकांमे पावेजी;
मक्केमे कर तु पुकारा— मैं. ढुंड.
गुजरात बरोडा बींगलुर, कोकनसे लेता मैसुरजी;
या पुना देख सींतारा— मैं. ढुंड.
कल्यानी तलोजाउरन, या भीमडी बंम्बई तौरन;
नाटकोमे होगा कन्नरा.— मैं ढुंड.
या पास "करीद्के" मवे तो उसका पता मीलमवेजी;
नही भुला तुजकु प्यारा— मैं ढुंड.

आम दुसरा-परदा तीसरा.

जंगल.



(आना लालदेवका गुलफामको जंगलोंमे पकडे हुवे लेकर कुवेमे कयेद करनेके लीये ओर गुलफामका याद माअशुकमे गम करना.)

बेहाग पेरज- मरसीया.

गम नहा माह आयए अजीज्ने — तर्ज.

गुल्फाम-ईश्क क्या बद जला हये सुहाया-हाये,
ईश्कने ये मुसीबत दीखाया— हाये,
ईश्कने कुल्फमें ला फसाया-हाये,
ईश्क याहे झकनमे सुकाया — हाये,

ये जगुयम जहील आशनारा,
हाले जारम ज आहो हुं गारा,
हाये कीस्मत - वाये आफ़्त,
अपना होगा ईश्क राह जर,
हाये दीलजर वाये दीलबर हाये-ईश्क.
क्या कहुं हीन्दका मंये इसाना - हाये.
वो चमन और मस्नद शाहाना - हाये,
हये कहां तख्त ओ खुस रवांना - हाये,
नाज अंदाज हस्ना हसाना - हाये,
काकीरे माहवे इश्रत्त सनमा,
जे खुहो खुद खुदा दीद अजमां,
हाये कीस्मत - वाये आफ़्त,
"करीफ" आशक भोला युंडर,
हाये दीलजर वाये दीलबर हाये - ईश्क.
(सेल्मना लालदेवका गुलज़ामको भींचते हुवे कुवेमें)

बाब दुसरां-परदा चोथा.
जंगल.
(आमद गाना जोगनकी.)
कव्याल-गजल.
जोगन आती हये परी जनके परस्तानके बीच,



सुमरने हातोंमे मुंदरे हये पडे कानके जीय;
सरपे ओडयाही रखे मुहपे रमाई हये भभुत,
सयेलीयां डाले हये गरदनमे गीरे जानके जीय;
चाल मतवाली हये आंख हये मखे ईशकसे लाल,
मस्त शाहजादाके गुलफामके हये धीआनके जीय.
उंही गुल्फामका कोसों नही मीलता हये पता,
खाक उडाती हुवी फीरती हये जीया जानके जीय;
देवमद होश हये परीयोंमे नहीं दम उस्ताद,
जीन तडपते हये पडे जान नही जानके जीय.

(सब्ज परीका आना और गाना.)

भयेरवी-गजल.

अये सुन रईगया सरेसरवर कहां कहां - तर्ज़.

सब्जपरी- भेगन मंभे जनके ढुंडीअवे दीलजर कहां कहां;

हमरा ले हीरा दीले मुजतर कहां कहां - भे.

दयेरो हरममे मोजीदो गीरजा कनीस्तमे;

वोह बुत सनमके चुमी हुं पथ्थर कहां कहां - भे.

कोहो जंगलमें दस्तमें साहरामें शेहेरमे;

गई ले हवाअे शोकमे सर सर कहां कहां - भे.

दीलमे जीगरमे सीनेमे पेहलुमें चश्ममे;

लीखी हुवी हअे सुरते दीलजर कहां कहां - भे.

आहु के तरहा तज्जतो चीनो खता खुतन;

दीखाई जोअे बुल्के मोअंम्बर कहां कहां - भे.

मकतलमे रनमे कर भो भला कत्लगाहमे;

हो सर पा कह गई हुं सीतमगर कहां कहां - भे.

जागे ईरममें जन्नतो खुल्दो बेहेश्तमे;

हुमरी हो देखी रशके सनोबर कहां कहां - भे.

देवोंमे जीन्नो परयोंमें भा कोहे काफमे;

भेगन हो छान मारीहुं मंदीर कहां कहां - भे,,

नाटकमे मीलही भयेगा गुलफाम अये "करीम";

दीखाया मुजको गुनजदे अखतर कहां कहां - भे.

(कालादेवका आना और भेगनका देवके रूबरु चले भना, जाअद भेगन गाके चले भना.)

सब्जपरी-

मंझे तो मन जयेकी लगन; जीरमाया उनेह कीन सौतन-मंझे.

अजतर पीआसे युं अ कहीओ; रअेन कटी तारे गीनगीन-मंझे.

अखाडुसरा-परदा पांचवा.

दरबार.

(आना कालेदेवका बअद इन्दरके और तारीफ करना लेगनकी.)

आसावरी-मसनवी.

कालादेव-

खुदारा ज़ो रअे शाहमां; लेलनजअेशी तो मोसुलजां.
परस्तानमे लेगन यक आई हये, मलायेक सब उसकी तमाशाई हये
वो हअे नाचती गाती ईस आनसे; के जुन सदके होते हअे सो लनसे.
मली हये लमुत और अकशां युनी; नदेखी हये लेगन नअयेसी सुनी.

(हुकम होना इन्दरका मुशताक होकर.)

(मनजुर-तर्ज.)

इन्दर-

नकुरदेर अये देवजे हे रे खुदा; अखाडेमें मेरे उसे जल्द ला.
मंजे देखुं वो लेगन हअे कीस शानकी; परी हअे वया कीस्म ईन्सानकी.
कीसी देव जुनकी सताई न हो; मेरे पास कुरयाद लाई न हो.
नलाअे वो कुछ और दीलमें ज्यास; दीखाअे मुजे आके अपना लमास.

(लना कालेदेवका-तसलीम करके.)

आज दुसरा-परदा छठ्ठा.

नंगल.

(आना सब्ज परीका हीराके गुलझाममें लटकते हुवे.)

भैरवी-गजल.

रोता हये कोई आनमें अज काम हमारा — तर्ज.

भेगन-मीलता नही कीसभे दीलाराम हमारा;
हये जईसा तडपे दीले ना काम हमारा-मी.
सर मारती पथ्थरपे हुं अये शोख़ जीराहमन;
अज तक जुते संगीन हुवा राम हमारा-मी.
मानींदे सबा रंगे यमन शर्मसे उड भभे;
गरसयेर को आ भभे गुलन्दाम हमारा-मी.
मरतीहुं भबर ले मेरे अये रस्के मसीहा;
दुरीमे न होभभे कही काम हमारा-मी.
मंभे भार समजती हुं ये गुलझारे जहांकु;
जब तक न "ऊरीक्" आ मीले गुलझाम हमारा-मी.

आना कालेदेवका भौर पखेगामे

ईन्दर सुनाना.

आसावरी-मसनवी.

कालादेव-अरी भेगन अज दीलमें हो अपने शाद;
कीया हये तुजेक़ राजा ईन्दरने याद.
कीसीसे तेरा सुन लीया हये भे हाल;

मुलाकातका शौक उसे हुअे कमाल.
मेरा देर करना उसे शाक हुअे;
तेरे नाच गानेका मुशताक हुअे.
मुराद अब तेरे दीलकी जरआअेगी;
जो मांगेगी वो चीज मील जायेगी.
न फीर उम्रभर तु करेगी सवाल;
वो यक दममें कर देगा तुजको नेहाल.
(जवाब देना जोगनका कालेदेवको तआनो लगावट से.)

मजकुर-तर्ज.

जोगन-

ये बातें नलाना जबांपर कभी; फकीरोंसे अछी नहीं दील लगी.
जको वो मेरा देनेवाला हुवा; खुशामतसे मुंह तेरा काला हुवा.
फकीरोंको दौलतकी परवा नहीं; यहां हरयक अहलतसे क्या नहीं.
जो गानेका राज तलबगार हुअे; तो यां कीसको चलनेमें ईनकार हुवे.
(जाना जोगनका कालेदेवके साथ.)

बाब दुसरा-परदा सातवां.

दरबार.

(आना कालेदेवका जोगनको लीअे हुवे.)

पंचम-मसनवी.

कालादेव-महाराज कीजे ईधर अब नीगाह;
ये जोगन हुअे हाजर जहाले तबाह.



मीला डीस जराजीसे ईसक़ा नीशां;
हुवा मंम्ये परस्तांमें हरसु रवां.
जहोव नल्द जीहमतमें आया हुं मंम्ये;
जणाउमें न्मेगनको लाया हुं मंम्ये.
अनज जुदा गुलु हम्में ये ओरा नजीं;
उडाती हये जंगलमे क्या लयेरवी.
हरओक तानपर लोट न्नता हये जु;
सुना होगा गाना न अयेसा कली.

(पुछना ईन्दरका जोगनसे.)

मल्हार - तर्ज.

ईन्दर -

अरी जोगन अये दर्दकी मुबतेला; फकीरोंका क्युं भेस तुने लीया.
फीदा कीसपे हय्ये कीसपे शायेद हय्ये तु; कोई आदमी हय्ये परी या हय्ये तु.
कहांसे यहां तेरा आना हुवा; के मुशताक सारा जमाना हुवा.
कीसे धुंडती फीरती हय्ये कुजकु; उडाती हय्ये क्युं खाक जंगलकी तु.
सुना अपना गाना मुजे हाली जरा; सुना भैरवी छेड या जोगीआ.

(जवाब देना जोगनका ईन्दरको जगम.)

मल्हार - तर्ज.

जोगन-

महाराज पुछो न जोगनका हाल; फकीरोंका दील दर्दसे हय्ये नीढाल.
मेरा मुजसे माशुक हय्ये छूट गया; मेरा राज ईस देसमें लुट गया.
यहां ढुंडने उसको आई हुं मंये; भीरोगन हुं गमकी सताई हुं मंये.
सुनाती हुं गाना जो हय्ये मुजकु याद; अजब क्या जो मील जये दीलकी मुराद.
अगर रागसे गये रहो दीलका हाल; न जोगन करे कीजो गासवाल.

झींझोटी - ठुमरी.

परदेसन जोगनी - तर्ज.

ईन्दर -

सुन बात हमारी जोगन, मतवारी पीयारी जोगननी - सु.
अब मुजकु सुना तु गाना, मल्हार ओ दीपक राना;

लेखी सुना जा माना, या जीहागपीयारी मोहननी-सु.
टप्पा ओ तीलाना धुरपत, होमरी गजल हो या गत;
होरी बसंत जा इरहत हये सुब्ह आहारे गुलशननी-सु.
जे मांगेगी दवेंगा तुजकु, ओर नाच दीखादे सजकु;
कुछ गाना सुनादे मुजकु, दीबलादे आहारे जोबननी-सु.
ये दौलत हश्मत कुरबां, युं कहा "अजीज" हयेरां;
तेरे हुस्नपे सदके परीयां, आफत हये गजब हये चीतवनकी-सु.

मरसीया.

राह-मुस्तेजाद

जोगन-सुनीये अहवाल माहाराज ये हये मेरा;
दील होपारा जन्नरा.
हो गई हुं अकेली ओ जे आसरा.
अज जुदारा जन्नरा.
चाहने मुजकु घरसे नीकाला;
याद मे उस्के जपती हुं माला;
हये "अजीज" दील अफगार ये माजरा;
गया पीआरा जन्नरा.
(ईन्दरका उस्को जवाब देना)

मजकुर-तर्ज.

ईन्दर-हाये अफसोस जन्नरा जोगन तेरा,
हो पीयारा — गमका मारा,

जुल्मसे आह कीसके भतंग आ गया,
अये मुदारा — सुये साहरा.
या गया सुये हीन्दुस्तां को,
या गया चीन या ईस्फेहां को,
या गया सुये बंगाला अये दीलरेजा,
तेरा पीआरा बन्नरा.
हाये अफसोस बंन्नरा बेगन तेरा,
आ गया रूम या शामकु वो नीकल,
दील हुये बेकल — क्युं गया चल.
या मीसरमे गया होगा वो जर महल,
याके डाजल — याके काजल.
या गया होगा ईरानो तुरां,
याके तातार याके बदक्शां,
होगा शीराझ कंदहारमे जरमला,
या बुखारा — बन्नरा.
हाये अफसोस बन्नरा बेगन तेरा,
याके कशमीर या सिंधकु बस्ता हाल,
याके भोपाल — याके बंगाल,
याके लाहोर मुलतानकु बुरा बेसाल,
याके नेपाल — पहोंचा हर हाल,
या गया लखनो देहेली पीशावर,

ग्याली सयेलानसे हो शानावर,
खास लंडन वीलायतकु पहोंच्या हुये जम,
दील दो पारा — जन्नरा.
हाय अफ्सोस जन्नरा बेगन तेरा,
हैदराबाद मदरास सुरत वतन,
याके पट्टन — या हुवे डोकन,
अहमदाबाद गुजरात पुना दखन,
सुन अये बेगन — उसका मस्कन,
आगरा याके मथुरा जबलपुर,
याके अरकाट बींगलुर महेसुर,
याके पंजाब मलबार. या मालटा,
या सीतारा — जन्नरा.
हाय अफ्सोस जन्नरा बेगन तेरा.
अये "फरीद" हसीन कहते हुये खासो आम,
मुजकु बदनाम — सुबह तां शाम.
दावअे शोर गोई हुवे मुजकु हराम,
अकलके खाम — देते दुशनाम,
दोस्तां सुनके होते हुवे दीलशाद,
दुशमना क्युं न हो गमसे बरबाद,
हर सखुन हये "फरीद" दील अफगारका,
क्या सफारा — जन्नरा.

हाये अफसोस जनमभरा जोगन तेरा.

(गाना जोगनका फीराके बारमें.)

भैरवी - ठुमरी.

जोगन - कहां गयो शाहजादा जानी प्यारा;
दील तडपेरे हमारा - कहां गयो.
वाका पता कहीं लागत नाही;
ढुंढ फीरी जग सारा - कहां गयो.

(खुश होना ईन्दरका देना गीलोरी पानकी जवाब देना जोगनका महजुन होकर.)

नसर.

जोगन.
पान लेके क्या करूं कीसी सब्ज रंगका ध्यान है,
हडीयां चुना है जहर खाने पान है.
ईश्क लहु पीपी के रंग लाया है,
फीराकने कत्थका बीडा उठाया है.
गीलोरी लीये मुजे क्या तकता है,
फकीरोंका मुंह कौन कील सकता है.
जोगन - कहां गयो शाहजादा जानी प्यारा,
जीन जानीके ईन नयनसमें रयन दीन अंधीयारा - कहां.

(दुबारा खुश होना ईन्दरका और हार देना और जवाब देना जोगनका.)

नसर.

जोगन - हार कुन्हार नलुंगी दीलको जार है,

अपना गुल ओबर गलेका हार होतो जहारहये.
काहां गयो शाहजादा बनी पीआरा;
बेगन- ग्यानमे बऐसी सुर्ज मछरीया;
तडपत होगा जीयारा— कहां.
(राजा ईन्दरका खुश होके तीसरेबार ईमास देना
और कहेना बेगनका.)
बेगन— ईमास उनेह दीबंये बे तंगदस्त हये,
फकीर अपनी कमलीमें मस्त हये,
ईश्ककी गरमीने मारा हये,
पशमीनेसे कीनारा हये,
राजके दोरमे पल्लेसे आई हु,
बे मांगु सो पाउं— कहां गयो.
कोई कहे उस्तादसे बके,
तुमरे दमका सहारा— कहां गयो.
(कौल देना ईन्दरका बेगनको शाद होकर और बाहेर
होना छुपे हुवे लीबाससे बेगनका.)

भैरवी— गजल.

सब्जपरी- होताहये कोईआनमे अज काम हमारा;
ईनआममे दीजे हमे गुलफाम हमारा— होता.
अज याहसे युसुफको नीकलवावो हमारे;
घुटता हये अंधेरेमें दीलाराम हमारा— होता.

आशकने तेरे मांग लीया रब्बसे तुजको;
दे आये कोई उसको ये पयगाम हमारा-होता.
आजाये अगर यार तो छातीसे लगालुं;
सीनेमें तपां हये दीले नाकाम हमारा-होता.
अब वस्लके लुटेंगे मजेह जल्सेमे जे जओई;
आगाजसे क्या खुब हुआ अन्जाम हमारा-होता.
भगवाईये शाहजादेको अब देर न कीजे;
नाम आपका हो जलसेमे औरकाम हमारा-होता.
अल्लाही मददगार हुआ हर हालमे उस्ताद;
करसकती हये क्या गरदीशे अईयाम हमारा-हो.

(फरमाना ईन्दरका लालदेवसे गुल-
फामकी रेहाई के लीये.)

आसावरी- मसनवी.

ईन्दर- अरे लालदेव ईस तरफ़ तुं आ,
जडा मुजको जोगनने धोका दीआ,
बनावट कीथी सारी जदुगीरी,
नही आदमी हुओ ये सब्जपरी.
ईसे ऊरकी ख्वाहेश न यां लाई थी,
छुडाने गीरफ्तारको आई थी.
कभी ईसको मीलता न वो गुलओजार,
मगर कौल हारा हुं मंये तीन बार.

नीकाल अब कुवेसे तु गुलफामको,
हवाले कर ईस नेक अंजमको.
(बना लालदेवका सरपीटते हुवे और लाना गुलफामको और
जगलगीर होना आशकोमाशुकका.)

भेरवी - गजल

सब्जपरी- कहेरथा बीजर क्यामतथी बुदाई तेरी;
मेरे मालकने मुजे शकल दीखाई तेरी.
गुलफाम- जाकहजे मुहपे मली जालहुये सरके जीजरे;
हाये ईस ईश्कने क्या शकल बनाई तेरी.
सब्जपरी- मुजपे होना था बेकुछ होगया उसका नही गम;
हो गई कब्रेद मुसीबतसे रेहाई तेरी.
गुलफाम- अंबे तेरे हाथलगा तु मेरे कंदमे कसी;
मेरा मतलब हुवा उम्मीद बर आई तेरी.
सब्जपरी- हयेतमन्नाये मेरे दीलमे के अब हम तलक;
कजले उस्तादसे देखुं न जुदाई तेरी.
(मीलाना हात गुलफामो सब्जपरीका राज ईन्दरने बाखुशी
और मुबारक बाद गाना सलोने खुशवक्तीमें.)

भेरवी - गजल.

सब- शादीये बुल्बुले गुलफाम मुबारक होवे;
अयेशो अशरतका सरनजाम मुबारक होवे.
बाद मुद्दतके हसीनोका नसीबा जगा;

फ़र्शे राहतपे अब आराम मुबारक होवे.
सर्व कुमरीको सजावार हो बुलबुलको गुल;
हमको ये सर्वे गुलन्दाम मुबारक होवे.
पीयुके खूने जिगर हीज्रमें जी भरभरके;
शरबते वस्लका अब जाम मुबारक होवे.
हुर जन्नतको मुबारक हो फलकको तारे;
बागको गुल हमें गुलफ़ाम मुबारक होवे.
छीने शाहाजादाको अब राज न हमसे उस्ताद;
ये अमानत सहरो शाम मुबारक होवे.



तमाम शुद.

मेहेता जमनादास भगवानदासनी कुंपनीए प्रगट करेलां पुस्तको.

शाळोपयोगी पुस्तको.

	रु.	आ.	पै.
सेन्डफर्ड मर्टनना मिनींग (१५० पानाना)	०	१२	०
रायल स्कुल प्राईमरना मीनींग	०	४	०
रॉयल रीडर नं. १ लाना मीनींग	०	६	०
रायल रीडर नं. २ जाना मीनिंग	०	८	०
रायल रीडर नं. ३ जाना मीनिंग	०	१०	०
रायल रीडर नं. ४ थाना मीनींग	०	१०	०
रायल रीडर नं. ५ माना मीनींग	०	१२	०
हावर्डकृत प्राईमरना मीनींग (मोटा)	०	४	०
हावर्डकृत अंग्रेजी चोपडीना मीनिंग	०	६	०
फारसी आमादनामानो अं० गु० तरजुमो	०	२	०
शाळोपयोगी कोष्टको	०	१	०
न्यु रायल नंबर १ लाना मीनींग	०	६	०
न्यु रायल नंबर २ जाना मीनींग	०	८	०
ज्ञानमित्रना मीनींग	०	३	०

वारताओना पुस्तको.

	रु.	आ.	पै.
सुडा बोतेरी	३	०	०
गीरधरकृत रामायण	२	८	०
जलंधर आख्यान	१	८	०
मदालसा आख्यान	०	८	०
स्त्रीविलास गरबावळी	०	८	०
दलपत अने धनपाळनी वार्ता	०	२	०
सज्जनता मेळववाना साधन	०	२	०
पार्वती लक्ष्मीजीनो संवाद	०	१	०
फीडल शीखवानी चोपडी	०	८	०
फीडल गाईड	०	४	०
फ्लुट गाईड	०	१	०
टुचका संग्रह (मनोरंजक वारताओ.)	०	८	०
मुरखानी वारता	०	१२	०
अभीमन्युनो चक्रावो	०	८	०

ડાડા બત્રીસની વારતા ——— ૦—૦—૬
કોડીલી કેશરની વારતા ——— ૦—૦—૬
ધણી ધણીઆણીનો કજીઓ ——— ૦—૦—૬
દલા કલાની દોસ્તી ——— ૦—૦—૬

ઉરદુ હરફમાં છાપેલાં પુસ્તકો.

તોહફએ દીલ પઝીર (બેનઝીર.) ——— ૦—૧—૦
ગુલશને બાહાર અફઝા (ઉર્દૂ નઈ ઈન્દરસભા) ——— ૦—૨—૬
નકશે સુલેમાની ——— ૦—૨—૬
અન્જમે સબાવત (ઉર્દૂ બાદશાહે બોહદોસ્ત.) ——— ૦—૫—૦
અલીબાબા અને ચાલીસ ચોર ——— ૦—૩—૦
ગુલશને બેદાદ (ઉર્દૂ શીરીં ફરહાદ) ——— ૦—૩—૦
ગુલશને બેઝાર (ઉર્દૂ બુલબુલે બીમાર) ——— ૦—૩—૦
લયલી મજનુ ——— ૦—૨—૦
નયરંગે ઈશ્ક ——— ૦—૪—૦
દાદે દરિઆ (ઉર્દૂ બાદશાહ બુદાદાદ) ——— ૦—૩—૦

નાટકના પુસ્તકો.

ગુલશને બેઝાર ઉર્દૂ તમાશાહાએ પુરબહાર (કે જેની અંદર ઉર્દુ ખેલો, બેનઝીરા, બંદગીઓ, બન્નસાના ગાયનો, તથા મુજરાઓમાં ગવાતી ૧૫૦ ગઝલોનો સંગ્રહ કીધો છે. ——— ૧—૪—૦
ચંદ્રસેનને ચંદ્રપ્રભા નાટક ——— ૦—૮—૦
વૃંદા દુઃખદર્શક ——— ૦—૬—૦
છલ સેલાણી અને વિક્રમ ચરીત્ર નાટક ——— ૦—૬—૦
તમાશાએ નતિજએ અસ્મત ——— ૦—૬—૦
માલીની નાટક ——— ૦—૬—૦
અન્જમે સબાવત (ઉર્દૂ બાદશાહે બોહદોસ્ત) ——— ૦—૫—૦
ચંદન મલ્યાગરી નાટક (ચોથી આવૃત્તિ.) ——— ૦—૪—૦
તમાશાએ ચાંદબી ——— ૦—૪—૦
મકેઝના (ઉર્દૂ અફસરે ચરસ્તર) ——— ૦—૪—૦
ગુલશને બેદાદ (ઉર્દૂ શીરીં ફરહાદ) ——— ૦—૪—૦
તોહફએ દીલકોશા (ઉર્દૂ નઈ ઈન્દરસભા.) ——— ૦—૩—૦
સોબલે બસર અથવા મોહન દુઃખદર્શક ——— ૦—૩—૦

नकशे सुलेमानीनो उरदु खेल	०-३-०
गुलशने बाहार अफ्झा (उर्दु नर्गीसे हसला)	०-२-६
मजहबे ईश्क (उर्दु बकावली ओ ताजुलमुल्क)	०-३-०
नयरंगे ईश्क	०-४-०
अन्जुमने सुखन (उर्दु तीरीया चरत्तर)	०-३-०
गुलशने बेखार (उर्दु बुलबुले बीमार)	०-३-०
अलीबाबा चालीस चोर	०-३-०
दादे दरिया (उर्दु बादशाह खुदादाद)	०-४-०
ईश्क नव बाहार (उर्दु चंद्रबदन मोहीयार)	०-२-०
नंदरात्र अने सती सुलोचनाना गायनो	०-२-०
लयेली मजनु	०-२-०
ध्रुवआख्यानना खेलमां गवातां गायनो	०-१-६
रसीकानो अती रमुजी फारस	०-१-०
नवा हरिश्चंद्र तारामतीना ना॰ गवातां गायनो	०-१-०
नवा नळदमयंती नाटकमां गवातां गायनो	०-०-९
तोहफए दीलपजीर गायन (ना॰ त॰ अनअरा.)	०-०-९
विधवा दुःखदर्शक (वांढानो वरघोडो)	०-४-०
सबाई ठगनो रमुजी फारस	०-१-६
चालाक शकरजी तथा गुरुजी गडबडनो फारस.	०-१-३
श्रीकृष्णविलास गायन	०-२-०
मोतीशा अने दादी वहुनो फारस	०-२-०
तलस्मे सनोबर	०-३-०

बीजा नाटकनां तथा परचुरण पुस्तको.

हिंदुस्तानी गायनसंग्रह भाग १,२,३ दरेकनो	१-०-०
तीलस्मे हामान उर्दु दुरे अलफ्ज	०-८-०
जंगमे उल्फत उर्दु हुमायुन नासीर	०-६-०
अज्दाये सीतमगर	०-६-०
बेनजीर बदरे मुनीर	०-४-०
पुरन भगत	०-४-०
दीलासाने जुलईज	०-४-०
हातमीन तये उर्दु अफसरे सखावत	०-६-०
सखेबुस सुलेमान	०-६-०

ઇન્સાફે માહમુદશાહ ગજનવી	૦-૮-૦
જુલ્મે અઝલમ ઉર્ફે જૈસા જો વૈસા લો.	૦-૬-૦
હુરેજે શીતના ઉર્ફે ચાહતે જર	૦-૬-૦
ખ્વાજે મોહબ્બત	૦-૬-૦
જનજેજાતે પરસ્તાન	૦-૬-૦
ગુરૂરે રાજહશાહ	૦-૬-૦
આશકકા ખુન, દામનપે ધબ્બા	૦-૮-૦
તીલસમે ઝોહરા	૦-૩-૦
છેલ બટાઉ મોહના રાની ઔર હવાઇમીજલસ	૦-૪-૦
જંગીરશાહ ગોહર	૦-૩-૦
શકુન્તલા	૦-૩-૦
સેહવંત સાવળીંગા	૦-૧-૬
કામસેન રસીકાના ગાયન	૦-૧-૦
ઓખાહરણનો ઓપેરા	૦-૧-૦
રૂકમણી હરણ	૦-૧-૦
સંગીત ગાયન સંગ્રહ	૦-૮-૦
ગોપીચંદ નાટક (ગુજરીતી)	૦-૮-૦
મૃચ્છકટીક નાટક	૦-૮-૦
કરણ ઘેલાના ગાયન	૦-૧-૦
લલિતા દુઃખ દર્શક	૦-૮-૦
નળદમયન્તી	૦-૮-૦
મદાલસા	૦-૧-૦
વીરસિંહ ચંદ્રિકા	૦-૧-૦

એસિવાય દરેક જાતની નાટકની, વારતાઓની, અંગ્રેજી, ગુજરાતી, ઉરદુ ચોપડીઓ પણ મળસે, જથ્થાબંધ લેનારને કમીશન ઘણુંજ સારૂં આપવામાં આવશે.

મેહેતા જમનાદાસ ભગવાનદાસની કું૦

મેનેજર-જમનાદાસ ભગવાનદાસ,

ઠેકાણું-મુંબઈમધ્યે ભુલેશ્વર નાગપ

ગુલઝારે અસ્મત

ઉર્ફે

નયરંગે ઈશ્ક.

(આ નાટકમાં દરેક જાતના રસો સમાવેલા છે. તેની ખુબી વાંચ્યાપાકી બીલકુલ માલમ પડસે નહીં.)

કીમ્મત ચાર આના.

દાદે દરિયા

ઉર્ફે

બાદશાહ ખુદાદાદ

(આ નાટક પણ ઘણેજ કરૂણારસ તેમજ હાસ્યકારક છે. તેની ખુબી વાંચ્યાપાકી માલમ પડસે નહીં.)

કીમ્મત ચાર આના.

વેચનાર તથા પ્રગટ કરનાર

જમનાદાસ ભગવાનદાસની કું૦ ઠે૦-ભુલેશ્વર, મુંબઈ.

મેનેજર-જમનાદાસ ભગવાનદાસ.